

१ मूधमयाति रुनात्वं मग्मलामविश सद्यस्त्वान् संसान सागना इष्ट्व वृद्धत्वं यति ह्यमनाय
यूष्मादी वृशनाय श्रीह नक मंठल वा हा मवा क निष्ठा मि यूष्मादि नर्क ल द्य क न नीर्य

माउला सिमल विष्णु हा म

आदि वृशनाय

१॥ नमः शिवाय ॥ विमलध्याननदी मधुलक्ष्मि गङ्गायलिकी यथादिसिद्धं यत्कान्तं व
 उद्योतं संप्रद्य ॥ यः सा ॥ हस्तनयुक्ता मधुलाधियर्गि मस्तुत सा हस्तनयलिङ्ग्या गङ्गाय नमः
 यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥
 विधिः ॥ ॥ गङ्गाय नमः ॥ यजग
 श्रीवनशावना ॥ अटितिधुनाना नदी
 किञ्च जङ्गलवक्रविशेषेति ॥ सधे कथं वीरुगं वज्रयाकान् यजल गलजालविना नमः ॥
 जगद्गुरुं सदा हस्त विष्णुकुलिगं स मयी मी विरागं ॥ गङ्गाय नमः ॥ अटिति वज्रसत्त्वया सत्त्ववृत्त्या

१

ना

नदी

१॥ नमः शिवाय ॥ विमलध्याननदी मधुलक्ष्मि गङ्गायलिकी यथादिसिद्धं यत्कान्तं व
 उद्योतं संप्रद्य ॥ यः सा ॥ हस्तनयुक्ता मधुलाधियर्गि मस्तुत सा हस्तनयलिङ्ग्या गङ्गाय नमः
 यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥ मन्त्रं यथावयथम् ॥
 विधिः ॥ ॥ गङ्गाय नमः ॥ यजग
 श्रीवनशावना ॥ अटितिधुनाना नदी
 किञ्च जङ्गलवक्रविशेषेति ॥ सधे कथं वीरुगं वज्रयाकान् यजल गलजालविना नमः ॥
 जगद्गुरुं सदा हस्त विष्णुकुलिगं स मयी मी विरागं ॥ गङ्गाय नमः ॥ अटिति वज्रसत्त्वया सत्त्ववृत्त्या

विगदगकाधुष समयथत ॥ आ. या. ध. नी. स्त्रान ॥ वक र्वदननधाय ॥ प्रकाननधाय ॥ प्रकाथान धाद
 स्त्रानमसीगय ॥ यं. ला. धं. मु. न ॥ वजनथियावगु कलनजाय ॥ नाशवध ॥ वक गूला काली यथा
 लावुय कीलकी कल्यान कलनमिव वाम वज मुखिनी गृहीतं दक्षिन कवल यथा न विद्रुय
 नावुर्न मृगे लं दीर्घनाथा स्त्राविन दैज ॥ दग कूयय विघानयुव ॥ ॥ कीवल नाथ
 ॥ ऊं घ घाटय मृसव विघान दैरु ॥ कीनथ र्सव घाया न दैरु ॥ डै वज कील य वज ध
 या श्रावययनि मवे विघुविनायकान् कय वाक्त्रि वजान कीलय दैरु ॥ डै वज मृज ल वज कील मा
 काठय र्दैरु ॥ यं. ला. धं. मु. न ॥ १० ॥ डु विवस्ययुव कीलान् यव ॥ मृन नाजस्य यथिम कीला

गुन मायूकान क्रगु गनस यिन ॥ मायूकायउनयिन र्वउयस म ॥ रावना ॥ वका नजी नल वृय
 विविक्त ॥ डै वजी मृ माउक ०० ॥ डै आ १ ॥ वृत्तानन हूना मृती र्वत यनमानु मयी ॥ डै मय र्महाग
 य स्वाहा ॥ वृत्तानन मंदा किनी जलः र्वम विविक्त ॥ मठि नि सा धर्ष दव नाय र्वी स्वद्वी
 उमयुष नाजी न हून मलु लंयून मावि राव ॥ श्रावय ॥ न वस समय यव विग मदान
 एनड विरुय वाधिविरु वृय याफुः ती र्वसा कन सीरु र्व विरुयत ॥ विद्रु वस मय दव
 ती हून दव माया च विरु र्व विविक्त ॥ या. या. ध. नी. यूर्य. ला. धं. मु. न ॥ जाय सावै कस्मि कर्म जनि
 वाली यूर्य नि कि य ॥ यं. ला. धं. मु. न ॥ कन मा विवाशन विधि ॥ ॥ यूर्य दव याग र्वय च

शूकलाश्या । अग्रादि कानस यमहाद्यादि ४ कजसा ॥ मूलकवैस मलुलनां आवायेनां खकन
 माया ॥ डैवजवकै ॥ धमकुल कल द्याय ॥ ॥ धनलियुव्वालस मलुलसमुख याद आ
 दाव दगुलिधुदाव कलगंन्याश धमधु दाव सावैकामिक कजसलेखन मलुलसहाय ॥
 डैवजुयाहैरुट ॥ धमकुन ॥ रावना ॥ मलुली जटिमिशुनानननन नकावर्क विद्युकिः
 वलादि विधियमिकविगसाया मलुली स्वदूया निदूया धादगादिका यायाथायिनी का
 निसयगी गव्युषाकुलकिलागस्यम धमु कामथग ॥ युगाधिमवाद्य मूडासमायद्यागदगाव हः
 नमूडासमायत्यासमूनालिनसूवगधनि समानिगे हनयर्क याद्यादिस्थाननिधश्च मद्रावागे

दीन् ॥ जटिमिशुनानननन सयहूसी वलिकदवता मूर्तिमित्राया ॥ या. पू. र्य. ला. घं.
 मु. न. ॥ वलि ॥ डैजैवकै कभूकवज डि कागड मिनलि मिमनसा वाक्य ममृत मूयकुजीग ॥
 रगवतसुहृत्तुताकिन्यादि काकाश्या दिनीव ॥ डैवजुजाक ०० मीवुलि गृद्र २ डैरुट
 ज० डैवै ॥ समयस्त्रीदा ॥ ॥ त्रिव कुदवतानी ॥ डैकज २ कवूयादि ॥ आवमन
 यी. ला. घं. मु. न. ॥ वदि. ०० नुदिनी ॥ या. पू. र्य. ला. ॥ डैवरावादि २ र्यादि ॥ आ
 वसन यी. ला. घं. मु. न. ॥ इरवा यिरवायुजा ॥ ॥ डैमेलीकाविजथद ॥ धमकुन लाका
 स्थानडादाव ॥ डैसूहनिसूगै ॥ धमकुन मलुलहाय घं ० धासी कजयदन धवैस ॥ डै

ॐ रुद्र ॥ दक्षिण ॥ ॐ आ ॥ रुद्र ॥ यश्चि म ॥ ॐ आ ॥ आ ॥ आ ॥ रुद्र ॥ उरु न ॥ ॐ ॐ रुद्र न मा व न य स
 व इष्टान् घाटय २ ॥ ॐ ॐ रुद्र ॥ धन दाय मलु ल म न न धाय युव दान स उरु घाट
 न ॥ ॐ दाना घाट न सम य युव रथ ॥ धम नु न य वि न दाना घाट न ॥ ॐ सम य यु
 वि ग मी नि ॥ धम नु न स्नान माला न मलु ल थिय का व नृ त्य मू डान ली का सी धम
 नृ य ॥ स्नान गान ॥ उ नि ॥ स व स त्वा न स व सि धि य सौ दि क नू ध मि ति वि ह य
 य न ॥ ॐ ॥ ॐ नि मलु ल सा ध न वि धि ॥ ध र द यो ॥ ॐ केल न वि धि नो ध र न ॥ ॐ ॥ ॐ

ॐ ॐ

ॐ ॐ

ॐ ॐ

मद्रु

सविशुद्ध धर्म धातु न वेधावन स्या ॥ ॐ ॥ न द धिय त्या रिष क स्या धिय त्या रिष क ॥ आ व न ॥ स वि
 र्वा मु नी नु य द धि न ना म वि ज मा धा ॐ ना मा रिष क ॥ ॐ ॥ ध न ॥ माला ॥ स्नान र्थ का ॥
 उ द क ॥ ॐ मा रिष क ॥ व ज द ग ॥ व ज द ग वि या ॥ ना मा द य ॥ ना म दू या ॥ व उ रिष क
 श्र म ॥ वृ ना अ रिष क ज्ञा या ॥ नृ नि रिष क रिष क ॥ ध न अ रिष क न ॥ क्रि या च यो ॥
 क्रि या च न न य ॥ म नु या ग श्र व न ॥ नृ नि रिष क रिष क ॥ द न ॥ व्वा द्वा न ॥ ज्ञा य ॥ म नु या ध न
 ॥ म नु या ध न य ॥ व वि दू मा रू वे नि ॥ ध न या अ धि का वि दू न ॥ ॐ वि या वि य क थ म्भ मा या द
 ना दि या रिष क उ श्र म ॥ स व रू ला च ना दि वि या नी ग्रा या ना दि ॥ ॐ अ ध्या य ॥ व ज ना यो रिष

धर्क सा ॥ वजावायेया अलिधक भागुनु ॥ मर्क ददि ॥ जग विठन ॥ कया निधु ॥ कनु धामयन
 ॥ स्वयनाथ ॥ थवर्न मीययान ॥ समथल्यान ॥ समथरुय कस ॥ यना द ॥ गवनन ॥ लनयुसा
 दन ॥ वुयसाद याकन ॥ ॥ रावः ॥ ना ॥ गिर्था सर्वलि काव रु धिर्न उच्चिरु वुयधुजय
 टा कालेक न युवै दान सिंहासन स्रुः ॥ विविग क मलायनि वज सत्त्व वुयन वलीया ॥ कि ॥ १८
 भायग ॥ अशास्य मुकट ॥ कै काव जीवज ॥ ॥ अनादि निधन ॥ सत्त्वा वज सत्त्वा महावत ॥ सम
 न रुड सर्वात्मा वज गङ्गाय नियमि ॥ वज विय ॥ ॥ वज ॥ यरु निविशु द्वि युगन द्वाधम धिमनु
 अद्वीरुवनि नीयसा नाकन न ल्पराव वज ॥ धाव न नियमनी ॥ वज समय ॥ ॥ आंकावजा

धर्क ॥ ॥ य सा ॥ थवः ॥ सर्ववृद्धानी ॥ समस्त वृद्धया ॥ धी ॥ धावा नृग सृता ॥ धी ॥ याग वस
 अनुगम रुव सा रुन ॥ लयादि दि ॥ वुन खडा वाकन ॥ सदा धायी ॥ सदा धन जयन ॥ वाधिन
 य ॥ आनया अग धासी ॥ जिने मना ॥ मथागम सीलाया ॥ धी ॥ विय ॥ ॥ वज नगीनि
 धर्म स्तुव सदमुद गाना निदान मथा ॥ गमा निधिमिथा जनाय सधनि ॥ धी ॥ मैमये ॥
 ॥ ॥ स्वराव गुहा दि रुव स्वरा ॥ य धि रवीकृत ॥ स्वराव सुदा ॥ ससत्त्व क्रियन यनः
 भाव ॥ यथ आवक ॥ ॥ आनिगन मूडा यावक ॥ मूडा दि ॥ अभा मूडा वाकन ॥ समय ॥ थाका ॥ ध
 म धा सीलाया ॥ मना मुक्ति ॥ विरु या सवुय ॥ दृढ मैले ॥ काव काया कन ॥ सर्व मुक्ति ॥ समस्त मुक्ति ॥

१२

दृष्टायनः क्रांतकन यवनमूडा ॥ ननः मूडा ॥ अमन मूडा ॥ यकलिना ॥ कल्यानाया ॥ य
 हायाय समयमहासुखात्तसीवृद्धस्वराव सुदृष्टयागनाधनाय मूडासमयः ॥ ॐ निष्ठिसमयः ॥
 ॥ चनामधुसमयविय ॥ ॥ यइकं यत्र मायर्म ॥ वडं ॥ वडधनत्रय ॥ मल्लन ॥
 नल्लस्वयन ॥ सीयाक ॥ काय ॥ घंटाः ॥ भन वायम ॥ घंशयु धर्मल वादत्रययक ॥ सम
 यः वः महामूडा ॥ धर्मधनत्रयस आ लिंगनमूडा ॥ अविद्याय ॥ धनसिद्धियाय ॥ द
 दाजयम ॥ हृदयमनु जाययायधस्य झाया ॥ ७ ॥ रावला ॥ स्वद्विज विनिगुत दवगावृ
 दे वाकागधु नरिषिष्टमाने विचिष्ट ॥ गंवल्लवनदाय ॥ अलिषक महावडं उधरकन

१२

अनुयाय २

मस्तुर्न ददामि सर्ववृद्धानां त्रिगुक्कालयसीरुत ॥ ॐ सर्वतथगतालिषकसमप्रियदं ॥ ॐ सुयनिष्ठि
 नवजस्वाहा ॥ वनननवक युष्टादियुजा ॥ ॥ गथावार्क ॥ यानिष्टु समालिंघ ॥ लाहान
 नयान आलिंगलयाव ॥ यस्तु वे वाउ भाटिका ॥ शुभता जिमवृता ॥ वडा वडसमाथा
 ग ॥ घंटा वडवा उरियागन ॥ दाः वाय सवनमन ॥ आवायया शुचिनाधस्य झाः
 या ॥ मल्लनतल ॥ मल्लुर्न ॥ मल्लुलशयु ॥ यममि लुर्क ॥ यल्लधस्य झाया ॥ मनामलुः
 लमूर्म ॥ विरुयामल्लुर्न ॥ कुर्यागन मिनिहूर्न ॥ कुर्यागन थयकाववृहून ॥ विरुहूर्न
 समुद्रय ॥ विरुयाकट उव र्यवदियादि ॥ दवगावृ ॥ संकयभा ॥ र्यवर्कधसमासन ॥ वृ

यद्यदनमंस्तु सत्कान विह्वलस्वचूयन ॥ यद्यवृद्धाश्चकल्लिनाः ॥ यद्यवृद्ध यकल्लिनायाः ॥ ॥ ॥
वेदक्यानिधकायनमायायोनिधकविधिः ॥ ॥ ॥ ॥ नमः स्वयं साष्टगगजयं किञ्चिदवा रुदयादि
मर्कदद्यात् ॥ दक्षासिमयारुगवनं ॥ अस्मिन्मन्त्रिदिभारुवः ॥ जायमिष्टाविय ॥ मिष्टा
नकायकं ॥ गृहीतासिमयारुगवनं म ॥ मिमन्त्रिदिभारुवः ॥ ॥ निष्ठुल्युदगायं ॥
ह्यादिसिद्धिवीजाधनाय यनमाधेम ॥ नुसिद्धिः शुभशुद्धयं मनुया ० न ॥ ॥ रावना ॥
मिष्टास्यवृद्धाश्चकल्लिनाः ॥ उं वजनं गायतनं यटलजी ॥ ॥ जीवन्मनवत्क ॥ ॥ नृपतये ॥ व
त् ॥ अयनिर्गं जिने-सुव ॥ मलाका वंशजाज्जन् यथात्माकस्य ॥ मिर्ग ॥ ॥ अहन्-यटलाः
राजिष्ठा भावकः ॥ वृद्धाकोली ॥ मनाका ॥ गच्छेद्यन् लोकयो ॥ निष्ठुभावकः ॥ ॥ ॥

२०

॥ नमः स्वहृद्दीजन्मातीत लावनादिसमायन्तं वेनावनादि नथागना त्मनि वेनावनदावत्
यद्यश्च मदात्रालादविह्वलं य अथधूत्या निगच्छन् वज्रमलो सदृज्जिनीकृत्य अगुष्ठा नामि
काशी वज्रमलिषयीशु वज्रमलि यथा ॥ दृष्टुं नथागमडवचूयं स्व वाधिविह्वलजिनः
महिर्मय ॥ वाक्वज्रचूर्यं मिष्टीराव यन ॥ ॥ मिष्टानजत्रयू ॥ दिवकं दाथजाय
यकं नसी गुनसकं अथावभायावक ॥ ॥ मिष्टानधया ॥ द-रुगवनं ॥ शाद्विरुगवानं ॥ म
दागान ॥ मदागानविरु ॥ वज्रयागे ॥ वज्रयागस ॥ कनलान ॥ वि-यादावविष्काक ॥ मूडायसी
दका ॥ मूडायसीदयाह ॥ ॥ य-य ॥ शुक्लयाव ॥ वज्रयागसमूहव ॥ वज्रयागडवयाहन ॥

थिरु मनुन गन. मीरु यन् ॥ ॐ नित्यु नि या द्य समर्थ यन् ॥ सायिर्क क मादि रि १ सु सु गी धि क ह्य म
 न म्ब न् अर्क य द ग य नि गि र्वा ॥ ॥ य ह्म व द न् ॥ किं. ल. मु न्म ह्म. व स्म. वि. मु न्मा दि च र क्क
 लं. न क्क मु र्क. न भ्म. मा न्म. म्मि लं. रु कि.
 सु ख. मि नि ॥ उ या य व द न् ॥ कि वा र्द.
 स दा मु ली लं. वृ व न्. रु ग य द्म व ॥ य ह्म य
 य १ स व नि वि धा न न ग ह्मा ह्म म ग न्म ह्म ॥ कृ न्म य द्म य थ य् सं व द्म वा ध ना दि क्क. स्व र्थ व द्म य
 वा ज्ञा अ र्ग व दि स दा ह्मि न् ॥ रु ज भा द्म ह्म ॥ ॐ नि व द न् ॥ ॥ सा व न्ता ॥ स्व र्थ यो स म्ब न्म मूर्ति

२३

यु ह्म द्म वी था व द्म या गि नी नू या नि द्म य ॥ ॐ न्मा उ नि न क म ल कू लि ग थ ॥ किं उ ल्म म्मि आ १ उं उ निः
 मा य द्म व कू यी न ह्म १ का र्ज वि र्मा य ॥ वा म वा मी ग मा नी उी म ग ह्म व क्क डी १ का न या न ह्म न्मा डि क्क
 यी व मा ल्मा न्म य व क्क उं य १ उ ह्म ४ स्वा ह्म
 व नि मा न्म र्म ॥ ॐ वि द्म य द्म ॥
 चा व ॥ वा धि वि र्म न् ॥ व द्म ल्म म क्क व ॥ वा
 व स ह्म उा न न्म ॥ वि र्म म्म य द्म ॥ वि र्म उ ल्मा द्म ना या चा व ॥ वा ध य न् ॥ वा ध य य ॥ या व न्म. कृ न्म.
 या गी ॥ ग्म ला भा म क्क व या य या गी न् ॥ वा धि वि र्म वि स र्ज न् ॥ क्क न वि र्म व द्म मा उ न् ॥ मा व न्म

याप्रात्य ॥ थलाभा लायु ॥ विद्धिर्न किं ॥ वटस वृचर्कः दूधाय ॥ मध्या नन्दर्जः सुखं ॥ सदजानंद
 सुख ॥ यमिभः वाधिविहः ३ ॥ यउ नययः हनविहस ॥ सर्वसिद्धिनिधानक ॥ समस्तसिः
 द्वियाः राजसः ॥ मूच्छिगः ॥ मूच्छाशय ॥ स्कंधविहसः ॥ गवित्रया विहसः गनः ॥ २४
 सिद्धिः ननिदिन ॥ सिद्धिः निदा मज्ञ
 नन ॥ शमानः ॥ कल्याणशर्न ॥ मर्त्यः स
 न ॥ द्वाययक याकन ॥ शिरु मध्या नगन ॥ विहस नगनस ॥ मीकयन ॥ खन ॥ हूः दूया अः
 नूकायन ॥ सदजानन्दयुयु हूहस मूच्छा ॥ हूः निधुहस हूनाशिवक ॥ ॥ नभायुधुथी शिवक ॥

हूदार्नि ॥ आव ॥ हनविः अधनार्थः ॥ हनविः अधनयायसु ॥ यथक विधिना ॥ गथज्ञान विधा
 नन ॥ गृहीत ॥ कायः ॥ यहू हूनाशिवक ॥ यहू हूनाशिवक ॥ सेवः वधुथी शिवक ॥ थथु वधुथी
 शिवक ॥ हूलहूत ॥ हूलडत्यहिमाय ॥ मशिवक नतः वकय्य ॥ अशिवक धया नतः क
 याः ॥ नाः शिविका ॥ अशिव
 गनया कन जागिया शान ॥ मशिवक
 काः काः ॥ गुंज नन ॥ आकाश ॥ यिवव ॥ नान ॥ मृगहृष्टिका ॥ हूमिका लाभा ॥ यइकी ॥
 धूमनः हूयनः वक्रि ॥ कूयानिमीहिनसयः म ॥ गलिली ॥ लीखसय ॥ उवलाकया ॥ वाहायया

निहित ॥ निमित्तं ॥ हयम ॥ निर्मलचयन-मय ॥ गगनं वाधिसत्वस्य ॥ वाधिसत्वया ॥ गगन ॥
 धिमन ॥ हनयाकन ॥ यूनवाय ॥ अग्निधर्म ॥ विधा ॥ रिर्न ॥ दीश ॥ सनायकान ॥ आग्रयाड ॥
 अस्मिन् ॥ गनु ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥
 युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥
 (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥ युवागिर्न ॥ (थ ॥ गनु ॥ य ॥
 लं ॥ विनागन ॥ निर्वानस्रचय ॥ विनमानदयाकन ॥ मधुमानदमागुनु ॥ समावान ॥ आनंद
 मागुशक ॥ मरुज ॥ मरिर्विर्विर्न ॥ मरुजानंद ॥ थथदाकान ॥ माउतव ॥ अनादि ॥ आदिमदा ॥

निधर्न ॥ अर्नमदा ॥ गगन ॥ गगनमूर्ति ॥ लावालावान्मर्कविर्न ॥ दा ॥ मदा ॥ विरुत ॥ स्रचय ॥ गगन
 ना ॥ कवृक्ष ॥ रिर्न ॥ डयाया ॥ युवा ॥ रिर्नमर्कचय ॥ वाधिविर्न ॥ मिनि ॥ स्मृत ॥ थन ॥ गगनयाविर्न ॥ स
 थ ॥ स्वयं ॥ मिनि ॥ रिर्न ॥ थम ॥ थ ॥ मसय ॥ थन ॥ वाक ॥ थमीन ॥ गगन ॥ ववन
 नलायगुति ॥ गगनमदा ॥ अग्निष्ठा ॥ नयर्न ॥ थ ॥ अग्निष्ठायायद ॥ वाक ॥ रिर्न ॥ गगन ॥ स्रच
 ह ॥ गगन ॥ थन ॥ समस्रचय ॥ थमय ॥ यथा ॥ वाक ॥ जयनि ॥ सुखनाज ॥ जय ॥ नयन ॥ स
 दजानंदन ॥ जय ॥ कावलावदिन ॥ थ ॥ कर्म ॥ माउमा ॥ सदादिगा ॥ जगर्न ॥ सागिन ॥ डयाकि
 शव ॥ ससावया ॥ य ॥ स ॥ निगदन ॥ समय ॥ गगन ॥ अमा ॥ ववननलाय ॥ ववन ॥ ववन ॥ डयाकि

वचनदीनशवः ॥ वचनं संवर्द्ध ॥ तथागतस्य न र्क वायः ॥ मदाः सहजानंदखलाय वचनन ॥ गु
चूकदः ॥ गुवृक्ष कनिव ॥ न न वृक्ष ॥ सीगशमदाः अभा वृक्षनय मिष्टान ॥ सहजावृक्ष ॥ सह
जानंदलाय ॥ अमियवस ॥ अमृतया सवाद्यधिद ॥ कासु कदि जयि कीगश ॥ गवर्त
जायः गुर्त गुर्त ॥ तस्मा त्मयार्क गुवृक्षालाक्ष सद्धिषी ॥ अयः मः सरुली
जन ॥ आवः ॥ सरुलशवः जायवया जा ॥ सरुली ॥ सरुनशव ॥ जिविविर्तः वमः ॥
महाः ॥ अयः ॥ आवः ॥ वृक्षकुल जाभा ॥ तथागत कुवसजायवया ॥ वृक्षपूजा शस्त्रि माय
र्त ॥ तथागतस्य वृक्षशव आवः ॥ ॥ निवृत्तार्थमिधक विधिः ॥ विद्यावृक्ष ॥ गुवृक्ष

२३

युक्त्या लाध ॥ शिवाया लाहाधसविय गुवृक्षखवलाहाधन धी ॥ सदितन आठ न जवलात
वजसहितन नक्षसी भाउ कयभावरक थासीन ॥ साकि (म) यूयमरु ॥ साकिदाका वृ
सकल (थ) ॥ तथागता नृमाकीकृत्या वृक्षमनूया साकियाहाव ॥ ना न्यायाधन ॥
मदान मवृडयायन ॥ वृक्षस्त्री गुर्त वृक्षशय गुर्तशव ॥ वः दी ॥ जगजय ॥ ॥ ययुह
जिलाकस ॥ तस्मा द्धियाग ॥ धनन वायहाव ॥ मनसा ॥ लवृत्तन ॥ माकीकी ला
वजयव ॥ स्त्री कदावन ॥ वृक्ष गवर्तलम ॥ वृक्ष न लवृवृक्षानां ॥ थगुति समसुवृक्षदाकास ॥
विद्यावृक्ष मनूरुर्त ॥ विद्यावृक्षनख भाकनार्क ॥ अतिकामनि था मूरु ॥ दावयायुशभा

वयर्थदाव ॥ ॐ शिवज हृदय नूक हं रुद्र स्वाहा ॥ रस ॥ ॐ सर्ववृद्ध जकि नीय वज वधु नीय हं
 रुद्र स्वाहा ॥ ३ ॥ वा प्रवर्मा ॥ ॐ धन रक्षाय २ मर्द रक्ष धृक हं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ वज व
 शव नीय हं रुद्र स्वाहा ॥ जिज कं वकी ॥ गृह दत्त म भा वीन वकी अशाया लकी ॥ आव
 ज सत्त्व स्य मूडयं वदिन आत्मसी सिर्ग ॥ ॐ वज धर्म समय सी इत्तु २ आ लालि २८
 क हं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ डी ४ रुद्र हं हं रुद्र ॥ ३ ॥ कुल ॥ गृह दत्त म भा वीन कुलामि
 मा मा मार्क ॥ आव ज सत्त्व स्य मूडयं वदिन आत्मसी सिर्ग ॥ कुल ॥ ॐ वज सूर्य न भा
 वि धमय समय सी वत्त धृक हं रुद्र ॥ ॐ ३ सर्ववृद्ध जकि नीय यादि ॥ ३ ॥ गृह दत्त म भा

वीन कठिका नत्त संन वा लकी ॥ आव ज ॥ कभी ॥ ॐ भगवत यन स भगवत ॥ द्वा दिजिन
 जिज हं रुद्र स्वाहा ॥ ॐ द १ न म डि ४ स्वाहा हं वा वट हं हं द ४ रुद्र २ र्द ॥ ३ ॥ गृह दत्त म भा
 वीन वृच कं भगवत लकी ॥ आव ज ॥ ॥ व
 वं हं थों डी मां डं डी हं हं रुद्र ॥ ३ ॥
 वज ॥ म ख ला क ध ॥ ॐ शिवज
 ला ॥ ॐ क न र्य वं उ ला दि मं ग ल यार् ॥ ॐ न मा र ग व न वी न वी न भव ज थ या दि ना
 ख वी ग उ म नू ॥ गृह दत्त म भा वीन ख वी ग उ म नू या र्क ॥ आव ज सत्त्व स्य मूडयं वदिन आत्मसी सि

मी ॥ उमत्र खर्वाग खसूक सिद्धवाग कर्तुयदा का काखाग यथा रवलादि ॥ ॥
 खालवलि सावनायाद वलिविय ॥ स्नानमालायाद थवथवमूलमकुल जाययागुनाग ॥ यी
 ला. घी. सु. नयेल ॥ खज याग सायक ॥ वलिविसर्जन ॥ वकीकुरुल वर्यान यदनया
 खनरुय धूवास दिग्वलिविय ॥ यी ॥ ला. घी. सु. न ॥ समय युवस जनवल मूठिखा
 ना ॥ दशिल थलवन नात्रिकन ॥ यशिम आकागवन कायनाखाना ॥ उरुन व
 माना र्कगयाग ॥ धूवास वलिविय दूजा सायक ॥ धर्मधूनदाव थवथवथायसेनयाव क
 युक्ति खानयानवि ॥ न वलि सावनायादविय पाददूजा समरुसी दूजायावक खजआदि

२२

वलि-
 यी धर्मधूनदाव युति गनाकन विसर्जन ॥ सादगदायनचर्यान काभाय ॥ मिश्रन मूजयूजा दक
 लानयक स्नानतानक मिश्रयावलि हवयानयहय ॥ वृत्तिवीनवयाविधि ॥ ॥ नभा
 नथगनवया ॥ नभा. र्द. वाक्यामि. ॥ ली. ॥ धर्म. जन. ज्ञानवया. वृ. ॥ वजसलसु.
 धर्म ॥ ऊरुय वजसल नथगनली ॥ रुव. इगतिना. दृश्य ॥ संमानइगनि याकन थ
 कायाद ॥ अत्यन्त. रव. गानय ॥ अंतव नर्क संमान गनियाय ॥ द. अमूकवजनामनथ
 गमसिद्धि र्कुरुव ॥ विनिर्मय ॥ ० न वाक्यामि ॥ वृथयामानुयनथगन वृयगिर्वा यथ
 व वाकियस सर्वनथगनि ॥ सीवा ॥ वाकिय ॥ वृत्तिगद्वानय ॥ वाकवनविधि ॥ ॥

नमोऽनुरूप ॥ कथान् विवृणोतीति ॥ अंज ॥ धर्मवर्क ॥ उं वज्रदुर्म ॥ उं वज्रसाधनं ॥ आ० का नर्जगं त्व ॥
 वामं आदिस्त्रजयसुर्क ॥ आदिस्त्रज य० न ॥ आकाशमन्त्रं सर्वं आकाशवायुलक्षणं ॥ आका
 शममनाथागमं सर्वमममनासुना ॥ अ
 य ॥ आयुर्वेदिसमनासु धर्मशिवमनुरूप
 मानानुरूपदत्ताः स्थितिकानुरूपदार्ढ्यं यथा
 येनैवमेव विद्वद्विद्ये ॥ ॥ सर्वमन्त्रदिनाथय सर्वलोकाय सर्वमन्त्राथविनयमाविश्वं ध
 र्मवर्कयवर्कय ॥ यज्ञवायस्यवृथात्मा विनामलिनिवाचक ॥ अविनाविगमासंग सत्त्वार्थकूट

३०

येनाथगुणविनविज ३
यनवति

सायुर्ग ॥ धर्मवर्क धायस वज्र वज्र वत्त यन्त्र विग्ववज्र इथनज्ञया ॥ गिष्ठा न उर्वकजिष्ठाभि
 यथा ह्ययिनि यद्विनि ॥ ॥ निःशुद्धविधि ॥ ॥ गिष्ठा लूचिग कुणनकायर्क मलुल्युद
 क्षिप्त ॥ सूयनिमलुन गीम आचार्यनृ
 ग कथान् विवृणोतीति काक यउयाटवी
 न ॥ गिष्ठा ॥ मन्त्रध्वनि विवृणोतीति ॥ मलुल
 धूना मलुलार्था ॥ आन मलुलया आचार्य ॥ मन्त्रमन्त्रध्वनात् ॥ मन्त्रमन्त्रध्वनात् ॥ व
 द्धानी वाधिसत्वानी ॥ वृद्धया वाधिसत्वया ॥ दवनातीव समन्त ॥ दवनाकास समस्त याहन ॥

सत्त्वाना. मनुकयार्थः ॥ सत्त्वदाकासः न कथं सत् ॥ विधिना मनुली स्या ॥ विधान (थ) मनुली स्या
 कन चून ॥ लिखितं च ॥ ययत्नः ॥ यादून यत्नः ॥ गुरुयाया. शु. साधका ॥ गुरुयाजयत्नः सा
 धकयादूनः ॥ दृष्ट्वा युविष्टाय नर्म ॥ या यावः इदमनः गतिर ॥ नदस्थारुम मनुली ॥
 गुफया उरुम मनुलस ॥ सत्त्वयाथः विनिमूका ॥ समस्तः इष्टव न काउतन ॥ रुवा
 नथवः सुस्ति ॥ १ ॥ च आः निनर्क वा न ॥ नस्तयः श्रवर्नः न ॥ रुनामूमान याय च ॥ ३
 किः यानादस्मात्तदासु सुखात् ॥ श्रियाकन सरुजानंद सुखयाकन ॥ विवृतः रुवः इष्टवान् ॥
 हायाव नुग्व सीमान इष्टवया जूनस ॥ अत्यन्तं सुखसिद्धय ॥ सीमानसिद्धयकस ॥ अः

३१

६३

शारिषिक ॥ आवः अरिषक ॥ आयुषान ॥ आयुषान ॥ सर्ववृद्धः ॥ समस्तवृद्धन ॥ सवृज नि ॥
 वृद्धव्रसननी ॥ उद्धातुक मदाचार्य ॥ उद्धातुकाचार्य ॥ स्वामित्वः मिनिः निश्चिर्न ॥ स्वामिताव
 निश्चयनरुव ॥ विनागसंभार्य ॥ वि नागव उर्ध्विदयाय ॥ मनुः नास्ति ॥ मनुमदत ॥
 उद्धातुक ॥ उद्धातुकाचार्य ॥ नस्मान् ॥ थ न ॥ कामविनागित्वे नकार्यरुवमा सदा ॥ का
 मयाविनाग यायमठव चून सदाद ॥ सर्वकाभा यभागे मुवमत्त ॥ समस्तकाभायभा
 ग नमनयन ॥ मकभासय ॥ लयगर्नमदत ॥ र्यवर्मासा ॥ गभादि ॥ मूर्मरु ॥ र्यवामृत विष्णु
 जादि ॥ अथयकन ॥ नकाश्चः समयाः १५ ॥ न ॥ नववयसवृद्धमर्च ॥ निश्चयनयन ॥ नः दिः या

अकृदहन आदिनरुवयायकना २

त्रकानि स्रुय मदास्रुय रुडादिक मदादव ॥ गिलि २ महागिलि ॥ ॐ रुक २ आगच्छ २ ॥
 मदानागमप्रियति रुडुव ४ रुडु स्वादा ॥ यी ला घ सु गगाक २ ॥ रुमायन विमर्जन नज
 वायक ॥ ॐ मिलि २ रुडु ४ स्वादा ॥ थ मंगल ॥ ना गयन स्वाय दारु लखान इद्र याय
 क कलग वालाव दारु ल इद्र क ॥ लगसुय । लीखधदा स्वस्ति वाक्य यदयं य ३४
 न भूमिर्षु युविनमयाव यजा सः मयद्याय स्नानगहाव धर्म भ ल सा स्त्रीयने
 मं उलदाभस तयाव थ लीखन मं उलम दासी थमआदिन समर्प अरिषकविथ ॥ को
 मानीयजा गलवक करक ध्याय ॥ सखवलियये न् थमर्षु वृत्ति विद्विज्ञा ॥ ॥ गुन ॥

ला ३

ॐ नमः श्री कालायाय ॥ सिधयुजाधूनदाव थनलिव मदान्याम समय सिधमादनि मूडा
 नमीयाव यिवृय गच्छ वलिविये नदिनमस्मान् प्रधावी सधव ॥ ४ ॥ किंचित्कल्ययनिगदा
 गुद ४ वलिसमाय वद गुद सुखागमैरु सादि मभिवमवायाद यसा १ ॥ ४ ॥ सत्यथवित्र ॥
 भा दमदिगश्चिर्क वामीर्ननभा विर्विद्या मदयात्मर्क वरगुर्वदमूदास वदा ॥ ॥
 रुवगित्र गान ॥ गच्छु कोम ॥ यादयुजा ॥ नमदिमगुल गीम ॥ नृथ ॥ ॥ ॥ ॥ किंचित्कल्य
 त्यादि ॥ गच्छु वलिविमर्जन ॥ गिगान दिशायाथ गुवमधु लवलिविमर्जन ॥ गिग रावना ॥ गि
 श्री वैशावननूयणा वलीका गवाहलका गिगसि वजयप्रवकायविमूर्य सूर्यवदुक्त कवू ४ ॥

दनक २

यावकसर्वसक ३

वक्राः १० गुणानि वक्राणि यथास्ववगनीर्त्तं ॥ अ. या. नी. शिकायाभिधानं लाहाः
 मित्रका र्यवगवा वक्र गुणमगुल दादवय ॥ गायकाल सिधुकाय ॥ उं वजापीवर्त्तं ॥ मित्रावः
 हन काहुजुदुवानन ॥ उं वक्रवधववः ॥ मानयदा ॥ वक्रवध ॥ पात्ररु सुनिधावकीधन ॥
 दायक ॥ उं खगुनाहर्त्तं ॥ उं आः खीवी ॥ नर्त्तं ॥ इरीयन ॥ यमनिका यिवन यय ॥ मि
 लसिवर्त्तं धृत्वा ॥ रुवया ॥ मित्रायय ॥ कर्त्तु. सा. सूत्रमथियमि ॥ गु. वृगज साधु स
 हजानवसवय स्रष्टु गज ॥ मित्रानधायक ॥ गु. र. ल. र्त्तं ॥ जयनिकलानमवर्त्तं ॥ महासुखः
 मि ॥ सहजानवधर्ममवय याहवया ॥ नन ॥ सर्वथागचिरु मूल्यादयामि ॥ म्भउसखर्त्तं गनथा

य ॥ उं सूत्रमसमयर्त्तं दा ॥ सिधुवज यथासुखमिति ॥ समलाविय ॥ अ. य. र्त्तं ॥ आव. वृग सकर्त्तं ॥
 वक्रवात्राकाभिष्टिभारविष्टासि ॥ वक्रवात्रादीर्त्तं ॥ अभिधानयायुना ॥ न. व. ल. य. र्त्तं ॥ मगव. वृग
 थयाथर ॥ सर्ववक्रवात्रादीर्त्तं ॥ समस ॥ वक्रवादी ॥ यत्रम नदस्य मगुल ॥ गविष्ट ॥ म
 यायाहमयामगुल ॥ यविष्टाय नवकः ॥ यी ॥ ददायक यामी ल. थयाखी द्वायमगव ॥ व.
 शुद्धागवी ॥ अन्यक वक्र गुणानविष्टानि ॥ द्वायमगव ॥ जमनिकानदुतयन ॥ उं खगुनाः
 नर्त्तं ॥ उं आः खीवी नर्त्तं ॥ उं महासुवगदर सुसूगाकाम वक्रसत्तायसिर्त्तं ॥ र्यवमगुल स र्यवयनाः
 म ॥ उं सर्वमथगत ॥ मगलयाह समस र्त्तं गनस्य ॥ वृद्धजक ॥ मध्यावृद्धजक ॥ पुजायसु नाया

पूजाउपसृ नयायसु ॥ आत्मानं नियोगयामि ॥ धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन ॥ समस्त
 धगनसधु ॥ वृद्धाक अशिशिमी ॥ वृद्धाकसी अशिशिनयाकथशुन ॥ दाम ॥ उँ सर्वेनधगन
 वृद्धाक ॥ मंगुयाह समस्तनधगनसी ॥ वृद्धाक ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयायसु
 सु ॥ आत्मानं नियोगयामि ॥ धवगनील
 पूर्वया ॥ वृद्धाक अशिशिमी ॥ वृद्धा
 न वृद्धाक ॥ मंगुयाह समस्तनधगन वृद्धाक ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयायसु ॥ आत्मानं
 नियोगयामि ॥ धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन ॥ समस्तनधगन दक्षिणया ॥ वृद्धाक

३६

अशिशिमी ॥ वृद्धाकसी अशिशिनयाकथशुन ॥ दक्षिण ॥ उँ सर्वेनधगन यद्वताक ॥ मंगुयाह स
 समस्तनधगन यद्वताक ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयाय निमिनिन ॥ आत्मानं नियोगयामि ॥
 धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन यद्वताक अशिशिमी ॥ समस्तनधगनधगन
 यशिमया यद्वताकन धमेवकययकी ॥ यमवृद्धसने ॥ यशिम ॥ उँ सर्वेनधगन विश्वता
 क ॥ मंगुयाह समस्तनधगन विश्वता क ॥ पूजायसु नाय ॥ पूजाउपसृ नयायसु ॥
 आत्मानं नियोगयामि ॥ धवगनीलनदादवया ॥ उँ सर्वेनधगन ॥ समस्तनधगनउरुवया ॥ वि
 श्वताक वृद्धाकसी ॥ विश्वताकसी कमेयाकथशुन ॥ उरुवे ॥ उँ गुवृववलायसु नाय ॥ मंगु

याह गुनुताउग याहउयसु नयायनिमिहिन ॥ आत्माननिर्यामयामि ॥ थवगविउतनदाहजः
 या ॥ सर्वसत्त्वयनिगुणार्थ ॥ समस्त सत्त्व ब्रह्मय अर्थन ॥ निर्यामयामि ॥ थवगविउतनदाह
 जया ॥ ॥ अद्य-स्त्री ॥ आव-कुंवा ॥ सर्ववज्जवाभादीकूल-यविह ॥ समस्त वज्जवा
 भादीस-कूलस-द्रुदावन ॥ सुद-ई- ॥ म-य ॥ थमन-जन-कुंवा ॥ वज्जहून-मूल्यादया ३१
 मि ॥ अश-इहून जायलयथका ॥ थ न-हूनन-स्त्री ॥ म्वनवू हूनन-कुंवा ॥ सर्ववज्जवा
 भादी ॥ समस्त वज्जवाभादीस्त्री ॥ सिद्धि-नयियास्यासि ॥ सिद्धिविद्युत्स्त्री निशुयन-कुंवा लायुव ॥
 किं मगाना ॥ वृयाय भवूना सिद्धिदाका ॥ सिद्धिन-व-त्वथ-ई- ॥ मठव-हूना-चिन्-थर्व ॥

अहह मगुलसा-युवगावकशी ॥ मगुलमसाकयाहवभ-काय- ॥ सा-म-समया-वा-थनिः ॥
 निरवदन-काकाल-कुंधमोहालशेयू ॥ उह्वा ॥ वज्जसुउस-थियकर्म ॥ अयम-समयवजा ॥ अ
 भा-कुमाउग समयवज्जस्त्री ॥ मूधानः ॥ सुलथन ॥ वगयालनका नवरासी मावकि
 व ॥ यदि-स्त्रीमिम ॥ गवसग-कुनः ॥ थयाव ॥ कस्यचिन्-युयान् ॥ सुनान-काससा
 कायमगव ॥ लुगुउस-थायकवजन ॥ वज्जसत्त्व-स्वयम-इ- ॥ वज्जसत्त्व-नथागतस्त्री-कुं
 कल-आव ॥ हृदय-समवसिग ॥ लुगुउग-वसवययानां ॥ निरिधमन-कल्पयायान् ॥ थि
 यारवकाकाव-लुगुउन-नरायावननान-मायकु-इ-न ॥ यदि-यूयादिमिनये ॥ (मवस-का

अवस्थायेदिव

काल धन निश्चय ख ॥ कारवया ॥ नृदेन नायिकं वा नि ॥ अभावात् कथं नवकया लीख म ॥
 समयौति ॥ धर्मस्थानमागसा ॥ कामादेदं ॥ अभावायुल नवकासीमायु ॥ समय स नवकासीमायु ॥
 धर्मला नवकासीमायु ॥ मिद्वि अमृतनरुन ॥ यि यवकासृगादक ॥ गाहन अमृत अमृतलीख ॥ या
 ०यत् ॥ अयु यरुति सुवाद ॥ आव गुनुआदिन कुलजियनि ॥ वजयाणि ॥ वजयाः
 लिन था मग थ ॥ यद दं न वुयात् ॥ गव ज बुन झाया ॥ मर्म क वुन सुयाकरु वी ॥ थमा
 थं याहन वुनयाय ॥ न च लया ॥ मटवदनाठ वुन ॥ इदं मवमनका ॥ जयनी अलिमानयाय ॥
 मां न विवमाय विहाय ॥ ज यागसा वुनयकनल घालनमिहाव ॥ कालक्रियीकृत्वा ॥ ज

३८

मवाजासक एभववर्दहाव ॥ नवकयननल्यात् ॥ महानवकास यदलविव ॥ धनन गुनुआः
 दिन अलिमानयाय मभव ॥ ॥ आवना ॥ ननस्त्रि नविहा सुदरं वजसलयागमालीव ॥
 मटिनिशुनानननन आकावजामिना र वुर्य गिष्टीनिथाय ॥ सर्वन थागनगुभिष्टिः
 मी आविगल्विनिवाययित्वा नस्यददि लीजातयु ॥ काल यीमयुथामिडल सुथ नील
 ईकाव ॥ मित्रसिर्वनवशु ववुल क लगीक वावुल मगुलायनि र्दशुकाद ॥ कार्वा
 क ॥ यकावजवल् यटाकावधन्वा र नीलानिलमल र्दशुका आकाव विहाय ॥ स्रद्धाजव
 मिशिशिरु कायवाका जानानीय यथाकर्म नस्यराव युद्ध ॥ कार्वाव न विहाय ॥ यादथावध
 आ १०

साहाय्यमलुलादीयिर्न वंजानयही कायुगणिका ॥ रुचल्लिबलनलमलुलसु नक मे ॥ कायल
 लिपुमाने गिषीमे ॥ कायनभि समूह ॥ यादसूचि नयवृष्टे ॥ कावादि नभिरि शिभयूर्य माने स
 मस्तगवी नंध्यायान् ॥ धूय ॥ आवगय ॥ मासय नवनन वालय २ दू ॥ आ ॥ मे ॥ ॥ ग
 नक्षत्रवर्तयन् ॥ ध्यानयदमावगयति ॥ कमाव ॥ सर्वसलाथ सिद्धिद लायथानुग ॥ ग
 धं वृद्ध विषय युनवागमनायन ॥ दू ॥ आ ॥ मे ॥ ॥ कमायत्यादि ॥ दू ॥ आ ॥ मे ॥ ॥ म
 वृत्त्यावगविधि ॥ ॥ ॥ युष्ययानन ॥ मसान मलुलसद्विधाव यनमभवीस गिबसगया
 सावय ॥ जाकीर्न इवाकुरुं ध्यात्वा ॥ नूतिष्ठवज दृष्टा मगव गमगमा मरुव दृढय मभूमिनिष्ठ स

वसिद्धि मययवृ दू दृदृदृ दृ ॥ आरववीन वजवावा दीयमिचु कसु मांजलिनाथदा ॥ गयक ॥
 धायक ॥ वृत्त्यय मलुलनभ्या मया गिष्ययव सिना यथयुनी मथेवाकु यवमानी कूलजय ॥ या
 दृष्टिद्वि नवैरुत्था ॥ गमयसिभ्रराजन ॥ यादकयुन्या मरायस्या ॥ कादगस्या सुमलुल ॥ ग
 दनु गिष्यस्या दृष्टवृ अश्रियमिललाभ ॥ वरु नगदय सहाली उंदय विविक्त ॥ वजसल
 स्वयंभय वकृत्ता टनमत्यन ॥ उद्याटय ॥ निवजाशा वजवक्र नूरुन ॥ उं हनन वक्र दू ॥ अ ॥
 स्वाहा ॥ अथवट काकाक ॥ मलुलसयुजा दकल मलुलकन ॥ दवजय ॥ वृंदन मलुलीय
 अ ॥ थ मलुलसाहन ॥ गद्यावगन सीयमि ॥ रक्तिवगयाहन आव ॥ लीन ॥ चन ॥ वृद्ध कृष्णजा

सिद्ध

भा ॥ हर्मा वृद्ध कलस जायलयाया ॥ मुहामने नधिष्ठित ॥ मनु मुडाया अधिष्ठानश्रव ॥ सयदा १ स
 वरेदीनी ॥ सयदलाय समस्त सिद्धिया ॥ समयाया रविश्रुति ॥ धर्मया वृजमलि वृजय ॥ वजय
 यागललिने ॥ भूनामा कनूनायात्रा मः नादय ॥ मनुष्याना धर्मकनू ॥ धर्मसंस्तमा आला
 धनयाहन ॥ गिष्ठानधायक ॥ वजम गुलमहामगुलविश्रुति ॥ वजमगुल नवमगु
 लसद्दानग ॥ यागमगुल महामगुल दमिनाद ॥ यागमगुल नवमगुल खलग ॥ गु
 क्रमगुल महामगुल दकिनाद ॥ गुक्रमगुल नवमगुल यादी कालाग ॥ हा १ हा १ हा १ ॥ मनसा
 नईवियाव यिवन वरुनखान वृवाकलहायाव ईविया यवनवगन वामावरुन दलवग

४०

३ (खान गयकायाख ॥ भिन्नसुखी प्रवायसी यगति महामहामहिदि ॥ भिन्नमसुखगामसुसिद्धि ॥ उरुमल्लकमासिद्धि ॥
 मन्त्रमौलमममासिद्धि ॥ ज्योतिरागल्लयमासिद्धि ॥ विम्वस्यातिद्वेचिनामसमीयकिप्रसिद्धि ॥

स्वस्तिकसंविद्याव दक्षिणस लूनवग ॥ धर्माधिवदिगसलूनवग ॥ धनलिद्विवियाव विकागवरा
 नलखावहाव इहायाव यावममवनी लीगनलाहाव नमस्कात्रयाहा जद्विसिद्धि वागनी ॥ वि
 रुचयखान विहावनेसा सिद्धिमदा सु यान रुनामिसने विहावसा अकमो अंधयवन
 मरुसीलिक्कासीविलूय ॥ ॥ यिंद वयाव यद्ववायाव आसनकायउस खीन गुव
 मगुल ॥ अथावला ॥ वाधिवजल वृद्धानी यथादक्षामहामद ॥ ममायिग वमार्थाय खव
 जाशुददादिम ॥ मगुलविमर्जन ॥ रावना ॥ ममा वजसालिखिगासदलकमलायनिगिष्टीसय
 त्रिकवजधनवृयविश्रावा ॥ आ-या-नी- ॥ गदनूखरुदीजमयूखेवानी गाननदि ग्वरुनसुथ

गगानिद्यादवीधुसंयुक्तमिष्टासिधकार्थं ॥ वृद्धानामसिधकसु जगज्जायवजिज्ज ॥ युज्जक वायव्य
 दह मथादयधिमस्यदि ॥ वृद्धायाथयममिष्टासिधकार्थं ॥ लावना ॥ कलमरुत्तुनिवाचक ॥ म
 यतथागमे ॥ युक्तसमायने ॥ मेदावाग
 लनिर्गत्य गदुवेदवीधमसूयन युवमि
 सीसुवृषी सुनसत्यासिनी मधिमसूय पुन
 स्त्रिमे ॥ लावनादिविशासदिमे शुभधजयटाकावसु वादिमगामनृत्ययुयकमादि वृद्धिनि ॥ कल
 किमलयावजिम वाधिविस्तमृगयुगुगितकलसं सुमिष्टीयप्रानिसुमे अरिषिष्टामानं नूयवशा

४९

दिरिदवीरिनुयनीयमानं मंगलगार्मया ० यत् ॥ अरिषक ॥ यत्संगलीसकलसत्तदुदिसिगस्या ॥
 सद्योत्तकस्यवजसद्येकुलाधियस्या ॥ नि ॥ गवदायजनकस्य महासूखस्य मनीगलीसवदुमयवमा
 रिषक ॥ मामकी ॥ डेमहासूखवजला
 यत्तन दहाव ॥ डेमहासूखवजि वज
 वीववीनभवायत्यादि ॥ अरिषक मदा
 गुक्कालयसीरुव ॥ डेअ ॥ वजमंगारिषिष्य सुनतल्लीमद ॥ मनुमान ॥ ॥ सिधव मादनिदि
 सि स्त्रानमूडा वाग कलुयगाका ॥ अजन ॥ लावनादि कियुमि ॥ गुवमलुल लखवलि सिधम

दहननसा ॥ गणगननस मय ॥ विला ॥ वमस ॥ विकलूषा ॥ वायन माउ नव ॥ स्वा
 नंदसंदाददा ॥ थव जानन संदादनाथा ॥ रावा नाव विवा विम विनहिता ॥ दा मदा विवा
 नल माउ नव ॥ वावादीका ॥ याउ-व ॥ थथिठ वज वावादि सी नव नया शयाग थम सकन ॥
 ॥ ७ ॥ वावादीद नाद गथिग ॥ निर्माना वि दिनग संउलगना ॥ निर्मान वजन नाति सुयसमुल
 सवद ॥ कायादि वरुवृणा ॥ ककादि वृजन आदि सवन ॥ दायाव अभा ॥ वायून
 वान ॥ या काल कालना काला मृगगवा ॥ वजलि अग्नि थदा सी वृसी अमृगदान ॥ शूक्राद
 शूपायमा ॥ विवाय वृदयुमा काया ॥ थु उयमा ॥ विद्या वृद्ध कर्दवक ददनि-या ॥ लावनादि
 वृद्धे वावनादि समह वायव गवावादीशन ॥ वजन थाइ दिनी ॥ निवज उहद शव थवावा
 दी ॥ सानंदा ॥ आनंदसुनूय ॥ ललिता वम ॥ मेनाद न थं हा सी ममनशन थथि वावादि सी ॥
 हनन-वा ॥ दूननय थइव वृमकनस विलस ॥ वावादीका वनसि ॥ वावादीसी विलस ॥ ॐ ॥

५६

x व कादि
 x व यादि